BSES

ऊर्जा संरक्षण के लिए बीएसईएस व दिल्ली के स्कूलों की भागीदारी

बिजली बचत पर जगरूकता फैलाने के लिए बच्चों ने निकाली रैली

- पहले चरण में, समरविल स्कूल, वसुंधरा एंक्लेव के छात्रों व शिक्षकों ने निकाली रैली
- मयूर विहार फेज– 3 व वसुंधरा एंक्लेव के कई अपार्टमेंट्स के बीच से गुजरे छात्र, लोगों को किया जागरूक
- बच्चों ने अपने हाथों में ले रखे थे ऊर्जा संरक्षण पर आधारित बैनर
- उन्होंने स्थानीय निवासियों से बात की, और बिजली बचत पर पर्चे बांटे
- अगली रैली 15 नवंबर को होगी, जिसमें स्टारेक्स इंटरनैशनल स्कूल के बच्चे हिस्सा लेंगे

नई दिल्लीः 11 नवंबर, 2008। देश भर में बिजली की किल्लत और दुनिया में बढ़ते ग्लोबल वॉर्मिंग के मद्देनजर बीएसईएस ने बिजली बचाने का अभियान तेज कर दिया है। इसके लिए समाज के तमाम वर्गों में जागरूकता फैलाने का काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में कंपनी ने स्कूलों के साथ एक साझेदारी अभियान शुरू किया है। इसके पहले चरण में, आज समरविल स्कूल, वसुंधरा एन्कलेव के बच्चों और शिक्षकों ने बीएसईएस के साथ मिलकर, मयूर विहार फेज–3 और वसुंधरा एंक्लेव इलाके में रैली निकाली। रैली के दौरान बच्चों ने अपने हाथों में बिजली बचत पर केंद्रित विभिन्न तरह के बैनर उठा रखे थे। उनके नारों (स्लोगन) से पूरा इलाका गूंज रहा था। बच्चों और शिक्षकों ने इलाके के निवासियों से बिजली बचत के बारे में बात की और उन्हें इस बारे में जागरूक किया। निवासियों के बीच ऊर्जा संरक्षण पर पर्चे भी बांटे गए। स्कूल के चौथी और पांचवीं कक्षा के 350 से ज्यादा बच्चों और उनके 15 शिक्षकों ने रैली में हिस्सा लिया। अगली रैली 15 नवंबर को होगी, जिसमें स्टारेक्स इंटरनैशनल स्कूल, वसुंधरा एंक्लेव के बच्चे हिस्सा लेंगे।

बच्चों के हाथों में लहरा रहे बैनरों पर लिखे स्लोगन कुछ इस तरह के थे– अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए बिजली बचाएं, प्राकृतिक कूलर का काम करेंगे– अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, सौर ऊर्जा का उपयोग करें और प्रदूषण घटाएं, उपकरणों को मेन स्विच से ऑफ करें, और जागरूक बनें– बिजली चोरी के बारे में हमें सूचना दें, आदि।

ऊर्जा संरक्षण पर बच्चों को जागरूक करने और उनके माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बीएसईएस सैकड़ों स्कूलों से बात कर रही है। स्कूलों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे ऊर्जा संरक्षण को अपने पाठ्यक्रम के सोशली यूसफुल प्रोडक्टिव वर्क (एसयूपीडब्ल्यू) का एक अभिन्न हिस्सा बनाएं और बिजली बचत पर रैलियों का आयोजन करें।

इस बारे में बीएसईएस प्रवक्ता ने बताया– इस पहल को सफल बनाने के लिए बीएसईएस स्कूलों के साथ कदम से कदम मिला कर काम करेगी और उन्हें तमाम जरूरी मदद भी उपलब्ध कराएगी। बिजली बचत पर पोस्टर, बैनर, पर्चे आदि तो स्कूलों को उपलब्ध कराए ही जाएंगे, साथ ही कंपनी की ओर से स्कूलों में जाकर गेस्ट लेक्चर भी दिए जाएंगे, ताकि इस पहल को पूरी तरह से सफल बनाया जा सके। यही नहीं, इस जागरूकता अभियान में हिस्सा लेने वाले बच्चों को बीएसईएस की ओर से प्रमाणपत्र भी दिए जाएंगे।

बीएसईएस के सीईओ श्री अरूण कंचन के मुताबिक– ऊर्जा संरक्षण बीएसईएस के कॉरपोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी का एक अभिन्न हिस्सा है। इसके तहत, बीएसईएस समाज के विभिन्न तबकों और शेयरधारकों के साथ मिलकर काम कर रही है। ऊर्जा संरक्षण के अच्छे ब्रांड एंबेसडर हो सकते हैं, छात्र। मैं समरविल स्कूल और उनके छात्रों को इस अभियान में एक अहम भूमिका निभाने के लिए बधाई देता हूं।

उधर, समरविल स्कूल के प्रिंसिपल एएस टेंपलटन ने ऊर्जा संरक्षण की महत्ता को रेखंकित करते हुए कहा– हमारा स्कूल ऊर्जा संरक्षण में विश्वास रखता है। हमारे पास इको– क्लब सदस्यों की एक टीम है जो यह सुनिश्चित करती है कि हम बिजली बचाएं और दूसरों को भी बिजली बचाने का पाठ पढ़ाएं।

दरअसल, बीएसईएस ऊर्जा संरक्षण की इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इसी के तहत पिछले दिनों बिजली ज्ञान अभियान का आयोजन किया गया था, जो करीब छह माह तक स्कूलों में चला। इसके अलावा, बीएसईएस सीएफएल की खरीद पर भारी छूट उपलब्ध करा रही है। कंपनी सीएफएल के सुरक्षित डिसपोजल पर भी काम कर रही है। बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान भी चलाया जा रहा है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304